माँग को प्रभावित करनेवाले तत्व

उपभोक्ता की माँग हमेशा एकसमान नहीं होती। इनमें परिवर्तन होते रहते हैं। माँग को प्रभावित करनेवाले निम्नांकित तत्व हैं।

1. मूल्य में परिवर्तन — मूल्य में कमी या वृद्धि होने से माँग में परिवर्तन होता है। यदि मूल्य में कमी आती है तो माँग बढ़ जाती है। इसके विपरीत कीमत में वृद्धि होने से माँग में कमी आती है।

2. आय में परिवर्तन — आय में वृद्धि होने से माँग बढ़ती है जबकि आय में कमी माँग को घटा देती है।

3. जनसंख्या में परिवर्तन — जनसंख्या में वृद्धि होने से माँग बढ़ती है जबकि उसमें कमी आने से माँग प्रायः कम हो जाती है।

4. आदत, रुचि तथा फैशन में परिवर्तन — आदत पड़ जाने पर वस्तु की माँग बढ़ती है। रुचि में परिवर्तन का प्रभाव भी माँग पर पड़ता है। फैशन बदलता रहता है। जो चीज फैशन में आ जाती है उसकी माँग बढ़ जाती है।

5. मौसम तथा जलवायु में परिवर्तन — मौसम तथा जलवायु परिवर्तन के साथ वस्तुओं की माँग बदलती है। जाड़े में ऊनी वस्त्र की माँग बढ़ जाती है जबकि गर्मी के मौसम में बिल्कुल घट जाती है। इसी तरह बरसात के मौसम में छाते की माँग बढ़ जाती है।

6. अन्य वस्तुओं की कीमत में परिवर्तन — खासकर, संबंधित वस्तुओं की कीमत में परिवर्तन का प्रभाव मूलतः वस्तु पर पड़ता है। उदाहरण के लिए, यदि चाय की कीमत न बढ़े लेकिन कहवा की कीमत बढ़ जाए तो वैसी स्थिति में चाय की माँग बढ़ जाएगी।

7. अन्य परिवर्तन — इन तत्वों के अलावा माँग को कई दूसरे तत्व भी प्रभावित करते हैं जिनमें व्यापार-चक्र अर्थात तेजी तथा मंदी की

स्थिति, वस्तु के न मिलने की संभावना समय में परिवर्तन, आय वितरण में परिवर्तन, विज्ञापन इत्यादि प्रमुख है।

उदाहरण द्वारा नियम की व्याख्या :— माँग के नियम को उदाहरण द्वारा भी स्पष्ट किया जा सकता है। मान लेते हैं कि बाजार में गेहूँ की कीमत 8 रुपये प्रति किलो है, तो कोई व्यक्ति 6 किलो गेहूँ की माँग करता है, लेकिन जब कीमत घटकर 6 रुपये किलो हो जाती है तो माँग बढ़कर 10 किलो हो जाती है। इसे नीचे की तालिका में दर्शाया गया है।

गेहूँ की कीमत	माँग की मात्रा
8 रु० प्रति किलो	6 किलो
6 रु० प्रति किलो	10 किलो
4 रु० प्रति किलो	15 किलो

इसी ओर, यदि मूल्य में वृद्धि होती जाती है तो उसकी माँग बढ़कर 15 किलो हो जाती है। इसे नीचे की तालिका में दर्शाया गया है।

गेहूँ की कीमत	गेहूँ की माँग
4 रुपये प्रति किलो	15 किलो
6 रुपये प्रति किलो	10 किलो
8 रुपये प्रति किलो	6 किलो

रेखाचित्र द्वारा माँग के नियम की व्याख्या :— माँग के नियम का स्पष्टीकरण एक रेखाचित्र द्वारा किया जा सकता है।

रेखाचित्र में OX अक्ष पर वस्तु की मात्रा तथा OY अक्ष पर वस्तु की कीमत को दर्शाया गया है। DD माँग की रेखा है। चित्र से स्पष्ट है कि जब वस्तु का मूल्य OP है तो वस्तु की माँग OQ के बराबर है। लेकिन ज्योंहि मूल्य घटकर OP_2 पर आ जाता है, तो वस्तु की माँग बढ़कर OQ_2 के बराबर हो जाती

है। इसके विपरीत जब वस्तु की कीमत बढ़कर OP_1 पर चली जाती है तब वस्तु की माँग में ह्रास होता है तथा वह घटकर OQ_1 हो जाती है। इस प्रकार, रेखाचित्र से स्पष्ट हो जाता है कि वस्तु के मूल्य तथा उसकी माँग में विपरीत का संबंध- इस मान्यता पर आधारित है कि अन्य बातें पूर्ववत हैं।

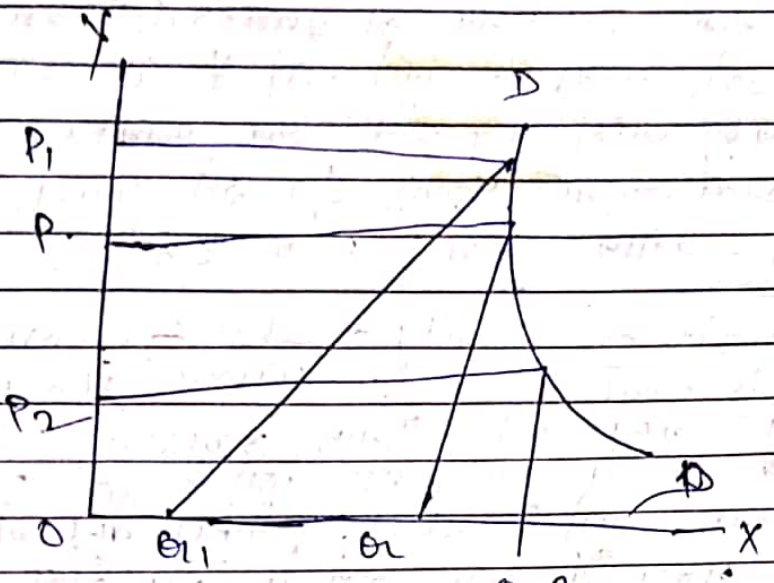

माँग की मात्रा।

Scanned with CamScanner